पंजीयन क्र. 50309/85 के अन्तर्गत भारत सरकार के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकृत। डाक पंजीयन क्र. म.प्र./261/ भोपाल/2006-08

राजेश जोशी

चाँद की वर्तनी

चाँद लिखने के लिए चा पर चन्द्र बिन्दु लगाता हूँ
चाँद के ऊपर चाँद धर कर इस तरह
चाँद को दो बार लिखता हूँ
चाँद की एवज सिर्फ़ चन्द्र बिन्दु रख दूँ
तो काम नहीं चलता भाषा का
आधा शब्द में और आधा चित्र में
लिखना पड़ता है उसे हर बार
शब्द में लिखकर जिसे अमूर्त करता हूँ
चन्द्र बिन्दु बनाकर उसी का चित्र बनाता हूँ

आसमान के सफे पर लिखा चाँद
प्रतिपदा से पूर्णिमा तक
हर दिन अपनी वर्तनी बदल लेता है
चन्द्र बिन्दु बनाकर पूरे पखवाड़े के यात्रा वृतांत का
सार संक्षेप बनाता हूँ

जहाँ लिखा होता है चाँद
उसे हमेशा दो बार पढ़ना चाहता हूँ
चाँद
चाँद !

चित्र - सिद्धार्थ

रैक्स डी रोज़ारियो की ओर से निदेशक, एकलव्य द्वारा ई-10, शंकर नगर, बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 16 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर. के. सिक्यप्रिन्ट प्रा. लि. 15-बी, जे. के. रोड इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल (फोनः 0755 - 2687589) से मुद्रित। सम्पादकः सशील शुक्ल।